https://archive.org/details/UndatedDhandhukariNarnamuDevnagari134D/page/n0/mode/1up

2010-12-27 Before -Dhandhukari Narnamu (134)

All Items on https://archive.org/details/realpatidar

Full Library on https://realpatidar.com/library

ॐ

धंधुकारी नुरनामु

ॐ फर्मानजी बिस्मिल्ला हिर्रहमा निर्रहीम

परथम आद्य निरंजन घंघुकार, आपसमां हुता अेकज सत्तार, आमसमांथी नुर निपाया, वोबी खासा दोस केहेलाया, उसथी सारी सृष्टी निपाई, देखो तमे खालिककी बडाई, 'हो' कहते में सब हो गया, 'ना हो' केहते मे कुच्छ ना रहया. अनंत अपारी आदम होअे, सबथी नुर प्रगट जोअे, जिसका दीन अम्मर घडीया, जान बुजकर गफलत पडिया, बंदगी कारण सरज्यो संसार, जान बुझकर भूल्या गमार, उस नुरबाज दुजा नुर बखानो, सो नरके पडे तमे पीछाणो, नुरे नुर चला सबू आवे, जो कुछु ढुंडे शाह जो पावे. दिवे दिवा रोशन होअे, सो जाणे जवरला कोअे, दिवामां जे दिवोसार, सो दिवो तो निराकार. उस नुर थकी अली मुर्तुझा रोशन होअे, अे नुरे नरअली महमंदशाह जोअे. दीने मुस्तफा; मुर्तुझा अलीथी पीर ईमाम. जिन्कु जाणे खलक् तमाम. तैयब कलमां कहे ते ईमाम, सो पावे दीनमां ठाम. दीनमां ढुंडे चले जावे, नुरकु पीछाणे तो शाह पावे. दुनिया दूर तब नुरको पावे. फनि यासे तो मन्खो गुमावे. चले सो तो भिस्तई जावे, जो

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/UndatedDhandhukariNarnamuDevnagari134D/page/n1/mode/1up

Real Patidar Library

https://www.realpatidar.com/library

This book/literature/article/material may be used for research, teaching, and private study purposes. Any substantial or systematic reproduction, redistribution, reselling, loan, sub-licensing, systematic supply, or distribution in any form to anyone is expressly forbidden.

The library does not give any warranty express or implied or make any representation that the contents will be complete or accurate or up to date. The library shall not be liable for any loss, actions, claims, proceedings, demand, or costs or damages whatsoever or howsoever caused arising directly or indirectly in connection with or arising out of the use of this material.

Full terms and conditions of use: http://www.realpatidar.com

About Real Patidar books

Real Patidar's mission is to organize the information on Satpanth religion, which is a Nizari Ismaili sect of Shia branch of Islam, and to make it universally accessible and useful. Real Patidar Books helps readers discover the material on Satpanth online while helping authors and researchers in their studies. You can know more by visiting http://www.realpatidar.com

You can resize and move this box in any PDF Application like Adobe Acrobat Reader.

No specific pages. See whole book.
References by: RealPatidar.com

https://archive.org/details/UndatedDhandhukariNarnamuDevnagari134D/page/n2/mode/1up

2010-12-27 Before -Dhandhukari Narnamu (134)

realpatidar.com

ॐ

धंधुकारी नुरनामु

ॐ फर्मानजी बिस्मिल्ला हिर्रहमा निर्रहीम

परथम आद्य निरंजन धंधुकार, आपसमां हुता अेकज सत्तार, आमसमांथी नुर निपाया, वोबी खासा दोस केहेलाया, उसथी सारी सृष्टी निपाई, देखो तमे खालिककी बडाई, 'हो' कहते में सब हो गया, 'ना हो' केहते मे कुच्छ ना रहया. अनंत अपारी आदम होअे, सबथी नुर प्रगट जोअे, जिसका दीन अम्मर घडीया, जान बुजकर गफलत पडिया, बंदगी कारण सरज्यो संसार, जान बुझकर भूल्या गमार, उस नुरबाज दुजा नुर बखानो, सो नरके पडे तमे पीछाणो, नुरे नुर चला सबू आवे, जो कुछु ढुंडे शाह जो पावे. दिवे दिवा रोशन होअे, सो जाणे जवरला कोअे, दिवामां जे दिवोसार, सो दिवो तो निराकार. उस नुर थकी अली मुर्तुझा रोशन होअे, अे नुरे नरअली महमंदशाह जोअे. दीने मुस्तफा; मुर्तुझा अलीथी पीर ईमाम. जिन्कु जाणे खलक् तमाम. तैयब कलमां कहे ते ईमाम, सो पावे दीनमां ठाम. दीनमां ढुंडे चले जावे, नुरकु पीछाणे तो शाह पावे. दुनिया दूर तब नुरको पावे. फनि यासे तो मन्खो गुमावे. चले सो तो भिस्तई जावे, जो

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/UndatedDhandhukariNarnamuDevnagari134D/page/n3/mode/1up

realpatidar.com

नुरनामा उपर कान लगावे. नुरजामे में अेसा भांखा, जो कुच्छ थासो खोलकर दाखा, नुर महमंदका करो बखाना, पेदाश उस्की देख पीछाना खालिक आंखो अेक सुभाना, नुरनामा पढे पीर ईमामा. ते पीरकु पावे भिस्तमां जावे, जो गोरनरकुं अेक करी धावे. अली महमंद शाह अेक सुभान, नबी महमंद साहेब जाणो पीर ईमाम. नुरनामे में अेसा सुनाया, मुनिवर कुं नुर खोल दिखाया. नुरनामा पढे सुने अेक ईमान, सो पावे जिन्नतमां ठाम. आंखो खलक नुर सुभाना, नुरी तखत निरंजन ठाम. आद्य विष्णु नारायण सो नुर महमंद नाम, सद्गोर ब्रह्मा ते पीर ईमाम. आखर अस्थल बांध्यो जेह, जांबु व्दीप कुंवारिका क्षेत्र तेह. नुरनामा पढे पीर ईमाम, लो मुनिवर खुदाका नाम.

हक्क लाअेलाहा ईल्लिल्लाहो महम्मदुर्र सुलिल्लाहे.

'संपूर्ण'

realpatidar.com